दीनानाथ मेरी बात | By Bulbul Agarwal

तुमको खबर है हर आहट की
तुम जानो हो प्रभु घट घट की
तुम हो प्रभु जी अन्तर्यामी
तुमसे छुपी ना मेरी कहानी
आकर निकालो, आकर निकालो
आकर निकालो, आकर निकालो
जग जंजाल के घेरे से
दीनानाथ मेरी बात छानी कोणी तेरे से
आँखड़ली चुरा कर बाबा जासी कठे मेरे से

खाटू वाले श्याम तेरी शरण में आ गया
श्याम प्रभु रूप तेरा नैना मैं समा गया
बिसरावे मत बाबा हार मानी तेरे से
आँखड़ली चुरा कर बाबा जासी कठे मेरे से

बालक हूँ मैं तेरो श्याम मुझको निभाए ले
दुखड़े को मारो मन्ने कालजो लगाए ले
पथ दिखला दे बाबा काढ़ दे अँधेरे से
आँखड़ली चुरा कर बाबा जासी कठे मेरे से

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%a4-by-bulbul-agarwal/